माउंट आबू (ज्ञान सरोवर), २० नवंबर २०१९। आज ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी संस्था, "व्यापार और उद्योग प्रभाग" के संयुक्त तत्वावधान में एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का विषय था 'परमात्म शक्ति द्वारा व्यापार एवं उद्योग में समृद्धि'. इस सम्मेलन में देश के सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रतिनिधिओं ने भाग लिया। दीप प्रज्वलन के द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ।

एस व्ही के एम मुंबई के कुलपति डॉक्टर राजन सक्सेना ने भी मुख्य अतिथि के बतौर अपनी बातें रखीं। आपने बताया की हमारे जीवन में जब भी कोई त्रासदी आती है तो वह आतंरिक शक्ति की कमी के कारण होती है। उस कमी को कैसे समाप्त करें? यह एक बड़ा प्रश्न है। उस प्रश्न का उत्तर यहाँ प्राप्त होगा। योगाभ्यास से हम सकारात्मक बनेंगे - त्रासदी से मुक्त होंगे। हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमें वह सुनहरा अवसर मिला है।

ज्ञान सरोवर की निदेशक राजयोगिनी डॉक्टर निर्मला दीदी जी ने आज का अपना मुख्य व्याख्यान दिया। हर कोई अपनी समृद्धि चाहता है। इसके लिए व्यापार और उद्योग का सहारा लिया जाता है। यह तो ठीक है। अगर आपको डबल वेल्थ चाहिए - अविनाशी धन भी चाहिए - तो वह आपको आध्यात्म से ही प्राप्त हो सकता है। भौतिक जगत विनाशी है। अनेक प्रकार के खतरे रहते हैं। इसका कोई भरोसा नहीं है।

अविनाशी धन अर्थात प्यार, सम्मान, सहयोग आदि देने से बढ़ता जाता है। मगर ऐसा करने के लिए आत्म बल की जरूरत होती है। वह आत्म बल ईश्वरीय सम्पर्क से प्राप्त होता है। इसी ईश्वरीय सम्पर्क का नाम है राजयोग। हम ब्रह्मा कुमारियाँ इस परिसर में आप सभी को राजयोग के बारे में विस्तार से बताएंगी। उसका अभ्यास भी करवाया जाएगा। इसके अभ्यास से आप सभी अविनाशी कमाई भी कर पाएंगे और जीवन समृद्ध होता चला जाएगा।

व्यापार और उद्योग प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका तथा राजयोग की वरिष्ठ शिक्षिका राजयोगिनी योगिनी दीदी ने सभी प्रतिनिधिओं को राजयोग का मर्म समझाया। मन ,बुद्धि को परमात्मा पर टिकाना , आत्मा को परमात्मा के साथ

युक्त करना ही योग है। इस योग से हमारी मानसिक बीमारियां समाप्त हो जाती हैं। हमारी आतंरिक शक्तिओं का विकास हो जाता है। जीवन में हर कार्य में सफलता प्राप्त होती रहती है। आपने सभी को योगा भ्यास भी करवाया।

डायरेक्टर मिनिस्टर केयर ग्रुप, यू के से पधारीं अलका बहन जी ने भी अपने उदगार प्रकट किये। कहा - हम सभी व्यापार की वृद्धि के लिए काफी कुछ करते हैं मगर खुद के बारे में काफी कम सोचते हैं। यहाँ आप को वही सोचना है,करना है। मानसिकता में विकास से - बदलाव से काफी कुछ बदला जा सकता है। ईश्वरीय याद से उनकी सारी खूबियां हमारे अंदर आती जाती हैं। इसका अनुभव किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र शासन में हाउसिंग डिपार्टमेंट के उप सचिव रामचंद्र धनावड़े ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी भावनाएं प्रकट कीं। इस संस्थान के सम्पर्क में आने के कारण मैं खुद को काफी भाग्य शाली महसूस कर रहा हूँ। यहां का कार्यक्रम देख कर मैं उत्साहित हूँ। इतना सुन्दर परिसर और उच्च स्तरीय कार्यक्रम देख कर शब्द कम पड रहे हैं। आने वाले ३ दिनों में हम यहां की टीचिंग्स से मूल्यवान बनेंगे। इसका मुझे पूरा पूरा विश्वास है। सभी एक आभार।

व्यापार और उद्योग प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका राजयोगिनी गीता दीदी ने आज के अवसर पर अपनी बातें रखीं। आपने इस सम्मेलन स्थल ज्ञान सरोवर के बारे में विस्तार से बताया।

बी के हरीश भाई मेहता जी ने आज सभी को बताया की किस प्रकार से व्यापार में व्यस्त रहते हुए भी जीवन में सुकून -शांति की अनुभूति की जा सकती है। आपने बताया की यहाँ एक काफी ऊंची ईश्वरीय पढ़ाई कराई जाती है। उस पढ़ाई से मनुष्य का जीवन पूरी तरह बदल जाता है। उनमें सकारात्मकता को अपनाने की वृत्ति पैदा हो जाती है।

बी के लालजी भाई ने सभी का आभार प्रकट किया। **बी के नम्रता** बहन ने मंच का संचालन किया।

(रपट **बी के गिरीश**, मीडिया , ज्ञान सरोवर)